हंसराज महाविद्यालय

दिल्ली विश्वविद्यालय
महात्मा हंसराज मार्ग,
मलकगंज, दिल्ली -110007
दूरभाष : 01127667458, 27667747
ई-मेल : principal_hrc@yahoo.com
वेबसाइट : www.hansrajcollege.ac.in

HANS RAJ COLLEGE

UNIVERSITY OF DELHI
Mahatma Hansraj Marg
Malkaganj, Delhi – 110007
Tel.: 01127667458, 27667747
E-mail: principal_hrc@yahoo.com
Website: www.hansrajcollege.ac.in

NAAC ACCREDITED 'A++' GRADE COLLEGE

आज दिनांक 30 अगस्त 2024 को हंसराज कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय एवं हंस प्रकाशन दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा मैम की अध्यक्षता में "पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा" का सफल आयोजन हुआ! जिसमें प्रवासी साहित्यकार (अमेरिका) डॉ. सुरेंद्र मोहन निर्मोही द्वारा रचित विशिष्ट गजल संग्रह "ख्वाब ए सफर" प्रवासी साहित्यकार (अमेरिका) श्रीमती गीता कौशिक 'रत्न' द्वारा लिखित उपन्यास अर्पिता का लोकार्पण हुआ साथ ही हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा मैम द्वारा उपस्थित लेखक श्रीमती गीता कौशिक रत्न, डॉ. सुरेंद्र मोहन निर्मोही, मुख्य अथिति उस्ताद गुलाम अब्बास खान तथा परिचर्चा पर उपस्थित वक्ता वरिष्ठ आलोचक ओम निश्छल जी, मिरांडा हाउस की सहायक प्राध्यापक डॉ. अंकिता चौहान का भव्य स्वागत हुआ ।

कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि महोदय उस्ताद गुलाम अब्बास खान ने डॉ। सुरेंद्र मोहन निर्मोही "ख्वाब ए सफर" गज़ल संग्रह की गज़लों को अपने आवाज में कंपोज़ किया और साथ ही सेमिनार में उपस्थित सभी श्रोताओं को कुछ प्रेममयी गज़लों को अपनी मधुमयी, सुरमयी वाणी से पाठ क़र आनंदित किया । उपस्थिति लेखिका गीता कौशिक रत्न के उपन्यास 'अर्पिता' पर परिचर्चा का आयोजन हुआ । जिसमें वक्ता के रूप में डॉ. अंकिता चौहान ने उपन्यास की समीक्षा करते हुये कुछ प्रमुख बिंदुओं पर बात करते हुए उपन्यास के कथ्य और शिल्प पर अपनी राय दी। उन्होंने बताया कि अर्पिता विश्वविद्यालयी जीवन के समय होने वाले प्रेम का उपन्यास है, जिसमें लेखक ने प्रेम के दो रूपों पर बात की है छिछला और गंभीर प्रेम । दोनों विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए उपन्यास के विभिन्न बिंदुओं पर बात की । उसके बाद मुख्य वक्ता वरिष्ठ आलोचक ओम निश्चल जी ने उपन्यास 'अर्पिता' और गजल संग्रह 'ख्वाब ए सफर' पर अपने विचार प्रस्तुत किये साथ ही कुछ गजलों का गायन किया और अर्पिता उपन्यास की समीक्षा प्रेम आधारित गज़लों के माध्यम से की । मंच का संचालन कर रहे डॉ. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली के सहायक आचार्य डॉ. महेंद्र प्रजापति सर ने अपनी सम्मोहित वाणी से सभी का स्वागत सत्कार किया और मंचीय गरिमा को आनंदित किया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन के लिये हंस प्रकाशन के संचालक हरेद्र तिवारी ने हंसराज कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रमा मैम, सेमिनार में बैठे सभी अथितिगण का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के संयोजक हंसराज कॉलेज के सहायक आचार्य डॉ. रवि कुमार गोंड़ सर, ने हिंदी विभाग के समस्त प्राध्यापकगण और समस्त शोधार्थी, विद्यार्थियों का अभिवादन किया ।